बहन का लौड़ा -45

“मीरा ने ममता को बताया कि आज उसकी गाण्ड की बारी है… ममता भी खुशी खुशी गाण्ड मरवाने के लिये राजी हो गई… राधे बोल 'हाए मेरी किस्मत क्या मस्त है.. रात को मीरा की कुँवारी गाण्ड मिली.. अब तेरी गाण्ड मुहूर्त करवाने के लिए मिल गई.. आह्ह.. आज तो थूक लगा कर ऐसा चोदूँगा कि याद करेगी मेरे लौड़े को..' आगे क्या हुआ… कहानी में पढ़ें !…”

Story By: पिंकी सेन (pinky)
Posted: Monday, July 6th, 2015
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: बहन का लौड़ा -45

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहन का लौड़ा -45

अभी तक आपने पढ़ा..

राधे- हाए मेरी किस्मत क्या मस्त है.. रात को मीरा की कुँवारी गाण्ड मिली.. अब तेरी गाण्ड मुहूर्त करवाने के लिए मिल गई.. आह्ह.. आज तो थूक लगा कर ऐसा चोदूँगा कि याद करेगी मेरे लौड़े को..
ममता- आह्ह.. अब घुसा भी दो न.. मेरे राजा.. कब से बोले जा रहे हो.. लो मैंने गाण्ड भी खोल दी है..

ममता घोड़ी बन गई और अपने हाथों से गाण्ड के छेद को खोल दिया था उसने... जिसे देख कर राधे खुश हो गया और उसने ममता की गाण्ड पर अच्छे से थूक लगा कर अपने लौड़े को भी चिकना कर लिया।

राधे ने लौड़े को छेद पर रखा और ज़ोर से धक्का मारा..
ममता- ओई.. मर गई रे एयेए..
राधे- क्यों ममता रानी.. अभी तो आधा लौड़ा गाण्ड में गया और तू चिल्लाने लगी.. अभी देख.. कैसे पूरा लौड़ा एक ही बार में अन्दर घुसता हूँ.. तब चीखना.. जितना मन करे..
ममता- आह्ह.. ओई.. इतने बेदर्द मत बनो.. मेरे राजा.. आह्ह.. आराम से भी तो डाल सकते हो.. आह्ह.. मीरा की गाण्ड भी ऐसे ही मारी थी क्या... आह्ह..

राधे- नहीं जानेमन उसकी गाण्ड तो बड़े प्यार से घी लगा कर मारी थी.. मगर

मेरा दिल था कि तेरी गाण्ड मारने के समय में जंगली बन जाऊँ और तेरी गाण्ड को फाड़ दूँ।

अब आगे :

ममता दर्द के मारे कराह रही थी.. तभी राधे ने एक और झटका मारा और पूरा लौड़ा गाण्ड की घाटी में घुस गया।

ममता- आह… आईईइ उई.. नहीं.. आह्ह.. बहुत दर्द.. आह्ह.. हो रहा है… उईई उइ.. रूको.. आह्ह.. निकाल लो.. आह्ह.. उइई..

ममता दर्द के मारे आगे को सरकना चाहती थी.. मगर राधे ने मजबूती से उसकी कमर को पकड़ रखा था।

राधे- आह्ह.. मज़ा आ गया.. साली क्या मस्त गाण्ड है तेरी.. आह्ह.. बहुत टाइट है.. ले आह्ह.. संभाल आह्ह..

ममता- उइई.. आह.. नहीं ओह्ह.. मर गई रे.. आह्ह.. उफ़..

पन्द्रह मिनट तक राधे दे पटापट.. दे पटापट.. ममता की गाण्ड को पेलता रहा और ममता कराहती रही।

अब लौड़ा गाण्ड में अपनी जगह बराबर बना चुका था। ममता को थोड़ा दर्द कम हो गया था.. अब वो भी उत्तेजित हो गई थी। वो कूल्हे हिला कर गाण्ड मरवाने लगी थी।

दस मिनट तक और राधे उसको चोदता रहा और आख़िर उसका लौड़ा गाण्ड की गहराई में झड़ गया।

राधे ने जल्दी से लौड़ा बाहर निकाल लिया.. ममता को सीधा किया और उसके मुँह में लौड़ा घुसा दिया।

राधे- चूस ममता रानी.. आह्ह.. आख़िरी बूँद तक चाट ले लौड़े को.. आह्ह.. आज मज़ा आ

गया.. तेरी गाण्ड बहुत टाइट थी रे… आह्ह.. एक बार और मारूँगा.. तब सुकून आएगा आह्ह..

ममता ने लौड़े को चाट कर साफ कर दिया और बेहाल सी होकर बिस्तर पर लेट गई। उसकी साँसें तेज़ी से चल रही थीं.. जैसे मीलों भाग कर आई हो।

राधे- क्या हुआ ममता रानी.. थक गईं क्या.. या मज़ा नहीं आया ?
ममता- आप थकने की बात करते हो.. आह्ह.. मेरी तो जान निकल गई.. उफ़.. गाण्ड का हाल बिगड़ गया।
राधे- मेरी ममता.. शुरू में तो दर्द होता ही है.. तेरे को बाद में मज़ा आएगा ना..
ममता- अच्छा रात को मीरा को तो बड़े प्यार से घी लगा कर चोदा और मुझे इतना दर्द देकर.. ऐसी नाइंसाफी क्यों की आपने ?

राधे- अरे मेरी ममता रानी.. मीरा अभी छोटी है.. उसको ज्यादा तड़पाना ठीक नहीं.. तुम तो शादीशुदा हो.. तुम्हारी चाल बिगड़ भी गई तो कोई शक नहीं करेगा.. मगर ममता तो स्कूल जाती है.. उसको कैसे दर्द दे सकता हूँ।

ममता- ठीक है.. ठीक है.. मगर आपने पानी को गाण्ड में क्यों निकाल दिया.. उससे तो बच्चा कभी नहीं होगा।
राधे- मेरी जान.. हर बार पानी चूत में जाए.. ये कोई जरूरी नहीं.. मेरे ख्याल से पहली बार.. जो गया.. वो काफ़ी है.. एक महीने बाद पता चल जाएगा।
ममता- नहीं.. मैं कुछ नहीं जानती.. जब तक मुझे पता ना चल जाए कि मैं माँ बनने वाली हूँ.. तुम रोज मुझे चोदोगे और पानी चूत में ही निकालोगे..
राधे- ठीक है मेरी जान.. ऐसी बात है.. तो अभी फिर से आ जा.. अभी तेरी चूत को पानी से भर देता हूँ.. आ जा मेरी रानी..

राधे ने ममता को बाँहों में ले लिया और उसके होंठों को चूसना शुरू कर दिया। उसकी चूत पर लौड़ा रगड़ने लगा और दोनों प्यार की दुनिया में खो गए।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
दोस्तो, अब बार-बार एक ही बात को क्या बताऊँ.. इनके बीच अब क्या होगा.. ये आप अच्छी तरह जानते हो.. तो चलो आपको यहाँ से आगे फास्ट फॉरवर्ड करके बताती हूँ।

राधे और ममता जब उत्तेजना की आग में जलने लगे.. तो राधे ने ममता को लेटा कर खूब चोदा.. उसकी चूत को पानी-पानी कर दिया.. दोपहर तक राधे ने ममता की गाण्ड और चूत को मार-मार कर लाल कर दिया था, वो ठीक से चल भी नहीं पा रही थी।

चुदाई के बाद ममता ने कपड़े पहन लिए.. मगर उसमें ज़रा भी हिम्मत नहीं थी कि वो खाना बना सके.. इसलिए वो बस बिस्तर पर पड़ी रही और मजबूरन राधे को खाना लाने के लिए बाहर जाना पड़ा।

दोस्तो, उम्मीद है कि आप को मेरी कहानी पसंद आ रही होगी.. मैं कहानी के अगले भाग में आपका इन्तजार करूँगी.. पढ़ना न भूलिएगा.. और हाँ आपके पत्रों का भी बेसब्री से इन्तजार है।
pinky14342@gmail.com

Other stories you may be interested in

मुंबईकर का मूसल

प्रिय गुरु जी, मैं आपसे कट्टी हूँ। मैंने तीन महीने से आपको कोई कहानी नहीं भेजी तो भी आपको मेरी याद नहीं आई। आपको तो बस लेखिकायें ही अच्छी लगती हैं। पता है आपको मेरे पास रोज कई मेल आती […]
Full Story >>>

भाई बहनों की चुदक्कड़ टोली-4

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मेरी बड़ी दीदी हेतल ने मेरी छोटी बहन मानसी के सामने मेरी जवानी करतूतों की सारी पोथी खोल कर रख दी थी. मगर मुझे अब किसी बात का डर नहीं था क्योंकि […]
Full Story >>>

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-5

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि लॉज का मैनेजर मेरी चूत को पेल रहा था और जीजा सामने कुर्सी पर बैठे हुए अपना लंड हिला रहे थे. लॉज के नौकर ने मेरे मुंह में लंड दे रखा था. जीजा को […]
Full Story >>>

सहेली के पति के साथ रात में चुदाई

मेरा नाम नेहा है. मैं अपनी सहेली के पति से अपनी चुदाई की कहानी आपको बताने जा रही हूँ. मुझे उम्मीद है कि आपको मेरी कहानी पसंद आएगी. मैं जवान लड़की हूँ और सेक्सी जिस्म की मालकिन भी हूँ. मुझे […]
Full Story >>>

मेरी सेक्सी भान्जी को मेरे दोस्त ने चोदा

मेरा नाम सलमान है. यह कहानी मेरी और मेरे बेस्ट फ्रेंड से जुड़ी हुई है. राहुल मेरा बेस्ट फ्रेंड है. मैं 42 साल का हूँ और वो 41 साल का. हम दोनों ही रेलवे में काम करते थे लेकिन ये […]
Full Story >>>